हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शुक्रवार 25 जुलाई 2025

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 लगातार बारिश से बांध सुजारा में हुई पानी की आवक तेज

07 पीएम आवास योजना में प्रदेश का सबसे लापरवाह...

खबर संक्षेप

3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा 2025

सागर। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित नीट पीजी परीक्षा 2025, 3 अगस्त को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी। सागर में एडीना इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी भोपाल रोड एवं एसएसएचसी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च नरसिंहपुर रोड मकरोनिया में बनाए गए एग्जाम सेंटर में नीट पीजी परीक्षा 2025 आयोजित की जाएगी। कलेक्टर संदीप जी आर ने सागर में नीट पीजी परीक्षा 2025 के सफल संचालन हेतु अधिकारियों को एग्जाम सेंटर पर निर्बाध पावर सप्लाई, इंटरनेट की उपलब्धता, साइबर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिले में अब तक 629.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सागर। सागर जिले में इस वर्षा सीजन में अभी तक 629.2 मि.मी. औसत बारिश दर्ज की गई है। जिले में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों के रिकार्ड के अनुसार एक जून से आज तक राहतगढ़ केन्द्र पर सर्वाधिक 792.8 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक, भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में स्थापित विभिन्न वर्षामापी केन्द्रों में एक जून से आज तक सागर केन्द्र में 502.5 मि.मी., जैसीनगर में 538.7 मि.मी., राहतगढ़ में 792.8 मि.मी., बीना में 520.6 मि.मी., खुरई में 635.7 मि.मी, मालथौन में 677.3 मि.मी., बण्डा में 661.2 मि.मी, शाहगढ में 640.8 मि.मी, गढ़ाकोटा में 614.4 मि.मी, रहली में 568.4 मि.मी, देवरी में 661.6 मि.मी. तथा केसली में 736.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

एकता समिति ने आजाद एवं तिलक की जयंती मनाई

सागर। एकता समिति ने देश के वीर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जयंती पर नमन कर याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधीर जैन ने की। सदस्यों ने चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के चित्र के समक्ष दीप जलाकर सादर नमन कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। अरुण जैन शिक्षक ने कहा कि हमारे देश के वीर क्रांतिकारी जिन्होंने अंग्रेजो के छक्के छुड़ा दिए थे। इन क्रांतिकारियों से अंग्रेज डरते थे कभी भी अंग्रेजों के सामने झुके नहीं। सुधीर जैन ने कहा कि हमें यह आजादी मुफत में नहीं मिली है इसके लिए हमारे देश की वीर क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी तब कहीं हमें यह आजादी प्राप्त हुई है और हम खुले आसमान के नीचे सांस ले रहे ।शरद गुप्ता ने कहा ऐसे वीर क्रांतिकारियो को आज हमारा देश भूलता जा रहा है और आगे की पीढिया भी याद नहीं रखेंगी इसके लिए हम सभी को गंभीर रूप से सोचना चाहिए। राजेंद्र मामा ने देश भक्ति गीत कर चले हम फिदा वतन साथियों अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों इस अवसर पर कमलचंद जैन , राजेंद्र मलैया, चंपकभाई जैन, प्रमोद पटेल, राजेंद्र सोनी, प्रमोद चौरसिया, राजकुमार पड़ेले, संजय शास्त्री, अजीत जैन आदि ने विचार व्यक्त किये।

बारिश में सावधानी अपनाएं सुरक्षित जगह पर ही रहें

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा नागरिकों से आंधी, बिजली और बारिश के दौरान सावधानी बरतने की अपील की गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि बारिश के दौरान एवं जल भराव होने की स्थिति में पुल-पुलियों और रपटों पर पानी होने पर उन्हें पैदल या वाहन से पार न करें, बिजली के उपकरणों से दूरी बनाकर रखें और जरूरी खाद्य सामग्री तैयार रखें। स्थानीय समाचार चैनल या अन्य माध्यम से जानकारी लेते रहें और बाहर जाने से बचें ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।साथ ही बारिश में पूरी सावधानी बरतें।

जिले में संचालित योजनाएं समय सीमा में पूर्ण कराएं

अधिकारी, कर्मचारी अपना व्यवहार संयमित रखें और अपने कार्य को पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी से करें : संभागायुक्त सुचारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

संभागायुक्त सागर संभाग अनिल सुचारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समस्त विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय, पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई, जिला पंचायत सीईओ नवीत कुमार धुर्वे, डीएफओ राजाराम परमार, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, संयुक्त कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम टीकमगढ़ लोकेन्द्र सिंह सरल, एसडीएम बल्देवगढ़ भारती देवी मिश्रा, एसडीएम जतारा संजय कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर एसके तोमर सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में सागर संभागायुक्त सुचारी ने मनरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि मनरेगा योजना में कार्यरत मजदूरों का भुगतान समय पर किया जाए, पुराने स्वीकृत काम लंबित नहीं रहे उन्हें प्राथमिकता से पूर्ण किया जाये एवं विधायक निधि से किए जा रहे कार्य लंबित नहीं रहें। सुचारी द्वारा जिले में बारिश की स्थिति का जायजा लिया गया एवं निर्देशित किया कि बरसात के मौसम में डैम का पानी निर्धारित रखें, डैम के गेट खोलने की स्थिति होने पर तत्काल आस-पास के क्षेत्रों में पूर्वसूचना जारी की जाए एवं डैम के पानी की नियंत्रित रूप से निकासी हो, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि वर्षाकाल में ट्रांसफार्मर की शिकायतें बढ़ जाती हैं, अतः शिकायत आने पर तत्काल निरीक्षण किया जाए व बदलने की स्थिति होने पर तत्काल ट्रांसफार्मर बदला जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित नल-जल योजना के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

सुचारी ने निर्देशित किया कि निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना अंतर्गत पुस्तकें सभी छात्र-छात्राओं तक पहुंचे इसकी मॉनिटरिंग की जाये। जो विद्यार्थी तकनीकी समस्या के कारण लैपटॉप योजना से वंचित हैं, उनकी समस्या का निराकरण कर उन्हें योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्कूलों में बच्चों का एनरोलमेंट शत-प्रतिशत हो एवं सभी स्कूल समय पर खुलें तथा ऐसे स्कूल जिनका रिजल्ट 50 प्रतिशत से कम है उन स्कूलों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

बैठक में सागर संभागायुक्त सुचारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केन्द्र समय पर खुले, कार्यकता और सहायिका समय पर उपस्थित हों एवं पोषण आहार समय पर आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंचाना और वितरित करना सुनिश्चित करें। तत्पश्चात उन्होंने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि मौसम को देखते हुए किसानों को कम दिनों में तैयार होने वाली फसलों का चयन करने हेतु जागरूक किया जाये एवं किसानों के लाभ को ध्यान में रखते हुए नियमित फील्ड विजिट करके उनका मार्गदर्शन किया जाए तथा खाद, बीज एवं उर्वरकों की कालाबाजारी की शिकायत आने पर तत्काल कार्यवाही कर लाइसेंस रद्द किया जाए। उन्होंने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि पशुओं के टीकाकरण समय पर हो, जानवरों को होने वाली बीमारियों के प्रति सतर्क रहें।

संभागायुक्त सुचारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी राजस्व अधिकारी न्यायालय में बैठना नियमित करें, न्यायालीन प्रकरणों के निराकरण हेतु समय निर्धारित करें, ताकि आवेदकों को कोई समस्या नहीं हो। साथ ही नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा आदि के प्रकरण समयसीमा में पूर्ण किए जाए एवं फील्ड विजिट करके प्राथमिकता से प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपना व्यवहार संयमित रखें और अपने कार्य को पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी से करें।

गढ़ाकोटा पुलिस की आधी रात में बड़ी कार्रवाई शराब से भरा पिकअप पकड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

गढ़ाकोटा। सागर जिले में अवैध शराब को लेकर पुलिस और आबकारी की लगातार कार्रवाई जारी है लेकिन इसके बाद भी यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र से सामने आया है जहां एक बोलेरो पिकअप में भरकर 2 लाख की शराब की तस्करी की जा रही थी । मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेरा बंदी की और पकड़ा,कब्जे से 40 पेटी पावर स्ट्रांग व्हिस्की देशी शराब कुल 360 बल्क लीटर अवैध शराब कीमती करीबन 02 लाख रुपए और बोलेरो पिकअप कीमती करीबन 04 लाख रुपए कुल मशरूका 06 लाख रुपए करीबन जप्त कर आरोपीगण को अभिरक्षा में लेकर धारा 34(2) आबकारी अधिनियम की कार्यवाही की गई है। थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर बोलरों पिकअप सफेद रंग की क्रमांक एमपी 42 जी 1140 से अवैध शराब जप्त कि गई है ओर आरोपियों पर आवकारी अधिनियम कि धारा 34 (2) कि कार्यवाही कि गई है । उदयपुरा रोड गढ़ाकोटा से आरोपीगण चिंतामण पटेल निवासी ग्राम नरेटा और गोपसिंह लोधी निवासी खेरी नवादा थाना गढ़ाकोटा के दो आरोपी पकड़े गए है जिनसे पुलिस शराब के स्त्रोत के बारे में पूछताछ कर रही है ओर प्रकरण में विवेचना जारी है । कुल मशरूका 06 लाख का है जिसमें 02 लाख कि अवैध शराब है।

शोधार्थी ज्योति गिरि को मिली पीएचडी उपाधि

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के हिंदी विभाग की शोधार्थी ज्योति गिरि को उनके शोध विषय "समकालीन कविता में मानवाधिकारः आ लो च ना त म क विश्लेषण" में पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है । ज्योति गिरि ने अपना शोध कार्य हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. चन्दा बैन के निर्देशन में किया है। शोध विषय साहित्यिक क्षेत्र में समकालीन कविता के अंतर्गत मानवाधिकार की दृष्टि का आलोचनात्मक अध्ययन किया गया है । उन्होंने समकालीन कविताओं का राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, मानवाधिकार के हनन की निरंतर बढ़ती समस्या को अभिव्यक्त करती कविताओं का चयन किया है। यह कविताएं समाज में व्यक्ति की गरिमा, समता, सौहार्द्र, समानता जैसे मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने, साथ ही मानवाधिकारिक न्याय सम्बन्धी लेखन और अभिव्यक्ति के स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय हैं ।

शहर की वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए कार्ययोजना बनाएं: कलेक्टर

सागर। गुरुवार को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत बैठक आयोजित की गई। जसकी अध्यक्षता कलेक्टर संदीप जी आर ने की। बैठक में कलेक्टर ने शहर की वायु गुणवत्ता सुधार के लिए दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए सख्ती से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से वायु गुणवत्ता सुधार में होने वाले कार्यक्रमों और एक्शन प्लान के तहत किए गए कार्यों की जानकारी दी। साथ ही वायु गुणवत्ता सुधार में होने वाले आगामी कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कलेक्टर संदीप जी आर ने नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री से एनकैब द्वारा किए गए फंड यूटीलाइजेशन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर के किन स्थानों पर यूटीलाइजेशन उपयोग किया गया है। जिससे शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार किया गया हो। उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी मांगी है। कलेक्टर ने आरटीओ और यातायात पुलिस अधीक्षक को शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जिससे शहर के वायु प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को वायु गुणवत्ता की सतत मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए।

संयुक्त संचालक और विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली

सहायक संचालक स्वाति दुबे एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी रहली आई एन तिवारी द्वारा सांदीपनि विद्यालय रहली, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रहली, शासकीय पीएमश्री हाई स्कूल सिमरिया नायक, शासकीय हाई स्कूल धनगुवां, शासकीय शाला खमरिया एवं शासकीय प्राथमिक शाला बेलाग्राम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में छात्र छात्राओं से गुड टच बेड टच की जागरूकता हेतु संवाद किया, विद्यालयों में अध्ययनरतविद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता, पुस्तक वितरण, शिकायत एवं सुझाव पेटी, शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शिक्षण कार्य, शिक्षकों की डैली डायरी का निरीक्षण किया। शासकीय हाई स्कूल धनगुवां में निरीक्षण दल द्वारा वृक्षारोपण किया गया। सभी शिक्षकों को हमारे शिक्षक ऐप पर समय सीमा में अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए।

नवागत संयुक्त संचालक के लिए विकासखंड में स्कूलों में नियमितता बनाए रखने के लिए बहुत प्रयास करना होंगे, शिक्षा विभाग के तमाम निर्देशों के बाद भी पिछले दिनों जिले के अधिकारियों के आकस्मिक निरीक्षण में कुछ स्कूलों में शिक्षक अनुपस्थित मिले थे, जिससे प्रतीत होता हे कि रहली में शिक्षा विभाग का प्रशासनिक पावर काफी कमजोर नजर आ रहा हे। फिलहाल पहली पोस्टिंग हे समझने में वक्त लगेगा फिर भी यदि ऑफिस में वक्त बिताने से बेहतर होगा कि ऐसे ही लगातार निरीक्षण होते रहे तो व्यवस्था बहुत हद तक बनी रहेगी। अगले हफ्ते आई एन तिवारी जी सेवानिवृत हो रहे है उन्होंने शिक्षा विभाग में चल रही मनमर्जी पर काफी हद तक लगाम लगा रखी थी।

लेकिन अब उनके सेवानिवृत होने के बाद नवागत अधिकारी जिनकी पहली पोस्टिंग हे उनके लिए प्रशासनिक दबाव बनाए रखने जवाबदेही तय करना और लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करने की जरूरत होगी।

पुष्प नक्षत्र में प्रारंभ होगा 19वां सवा करोड़ लेखन जप : पं ब्रजेश द्विवेदी

सागर। डाईट सिरोंजा सागर परिसर स्थित मन्दिर मे विराजमान सिद्ध श्री संकटमोचन सरकार की प्रेरणा एवं कृपा से अप्रैल 2012 से प्रारम्भ श्री सीताराम नाम लेखन जप वर्तमान में भी अनवरत जारी है उक्त जानकारी देते हुये श्री सीताराम नाम बैंक जलिा शाखा सागर के सह व्यवस्थापक पं ब्रजेश द्विवेदी ने बताया कि भक्तो के द्वारा अभी तक 18 बार सवा करोड़ सीताराम लेखन जप के लिये गये संकल्प को पूर्ण किया जा चुका है। और उन लेखन पूर्ण पुस्तिकाओ को अयोध्या जी स्थित अंतरराष्ट्रीय श्री सीताराम बैंक में जमा भी किया जा चुका है । इसी क्रम में 19 वाँ सवा करोड़ लेखन जप पुष्प नक्षत्र में 25 जुलाई को दोपहर 3 बजे से प्रारम्भ होगा । लेखन जप प्रारम्भ होने के पहले दोपहर 2 बजे हनुमान दुर्गा भैरभ धाम मन्दिर के पुजारी एवं जलिा शाखा सागर के बैंक मैनेजर पं गोपालप्रसाद शर्मा के द्वारा 19 वाँ सवा करोड 600 लेखन पुस्तिकाओ की विधिवत पूजा अर्चना की जावेगी । तत्पश्चात सभी उपस्तिथ भक्तो के द्वारा लेखन प्रारम्भ किया जावेगा । लेखन के लिये पुस्तिकाओ का वितरण भी उसी दिन से प्रारम्भ होगा । पं ब्रजेश द्विवेदी ने सभी लेखन प्रेमियो से 25 जुलाई दिन शुक्रवार को दोपहर 3 बजे हनुमान दुर्गा भैरव धाम मन्दिर में उपस्तिथ होने का निवेदन किया है ।

सागर। श्रावण मास के शिव चतुर्दशी महापर्व पर श्री नागेश्वर महादेव का कामधेनु अभिषेक एवं महाभिषेक सभी भक्तों द्वारा किया गया। गौ माता स्वयं नागेश्वर मंदिर शिवालय में आयी और उनके दूध से बाबा का अभिषेक किया गया।

छात्रों के मॉडल्स और तकनीकी प्रयोगों की प्रशंसा, संस्थान को बताया प्रदेश का उत्कृष्ट केंद्र

कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल ने विधायक शैलेंद्र जैन व भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी के साथ किया सागर आईटीआई का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने सोमवार को सागर विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी के साथ शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान संस्थान के प्रभारी प्राचार्य ए.के. डागोर ने उन्हें संस्थान की गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रशिक्षण प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी।

विधायक जैन ने बताया कि सागर की आईटीआई प्रदेश के उत्कृष्ट तकनीकी संस्थानों में से एक है, जहां से प्रशिक्षित छात्र कई क्षेत्रों में सफलता पा रहे हैं। मंत्री टेटवाल और विधायक जैन ने छात्रों द्वारा तैयार किए गए तकनीकी मॉडल्स की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और वर्कशॉप में बनाई गई मशीनों का निरीक्षण किया, इस अवसर पर विधायक जैन ने बताया कि आईटीआई में कामकाजी महिलाओं को उनके कामों से संबंधित हमने एक प्रशिक्षण दिलाया था जिसमें वाशिंग मशीन का संचालन, डिशवॉशर का संचालन रेफ्रिजरेटर माइक्रोवेव सहित अन्य उपकरणों को चलाने की ट्रेनिंग दी गई थी। इस ट्रेनिंग के पश्चात हमारी उन्ही बहनों को मिलने वाली तनख्वाह में डेढ़ गुना की बढ़ोतरी हुई।निरीक्षण के बाद मंत्री टेटवाल और विधायक जैन ने छात्रों, प्रशिक्षण अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण संस्थान आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का पत्थर हैं।इस अवसर पर अतिथियों द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में पौधारोपण भी किया गया ।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया, मनीष चौबे, अमित बैसाखिया, प्रासुख जैन, नितिन सोनी, अंशुल परिहार, जय सोनी, राहुल वैद्य सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधायक जैन ने लोहिया पार्क में किया पौधरोपण पार्क के रखरखाव को लेकर दिए जरूरी निर्देश

सागर। सागर विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने अपने प्रतिदिन पौधारोपण अभियान के अंतर्गत सोमवार को संजय ड्राइव स्थित लोहिया पार्क में पौधरोपण किया और पार्क का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया इस अवसर पर उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार मुख्य रूप से मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान विधायक जैन ने नगर निगम अधिकारियों को पार्क की नियमित साफ-सफाई, रखरखाव और सुरक्षा के लिए चौकीदार की नियुक्ति के निर्देश दिए। साथ ही पार्क की सुरक्षा के लिए रिवॉल्विंग गेट लगाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने को कहा। विधायक जैन ने कहा कि शहर के उद्यानों को हरा-भरा एवं व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम और जनसहयोग से मिलकर लगातार कार्य किया जा रहा है। उनका उद्देश्य है कि नागरिकों को एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित पार्किंग क्षेत्र मिले। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया, मनीष चौबे, अमित सहित कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

261 रोगियों का निशुल्क आयुर्वेद व योग प्रशिक्षण, परामर्श संपन्न

सागर। आचार्य चरक जयंती के पुनीत अवसर को ब्र. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पूर्व चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सोमेश्वर नाथ शुक्ला एवं शांति देवी शुक्ला की स्मृति में 143 वां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 261 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श डॉ. राजेश शुक्ला द्वारा दिया गया। योग प्रशिक्षण, आयुर्वेद एवं आहार का आयुर्वेद संबंधित सामग्री निःशुल्क वितरित की गई । शिविर में 42 रक्तालप्ता, 65 रक्त शर्करा, 52 यूरिक एसिड, 60 बी एम डी हड्डी व 42 मांसपेशियों की जांच की गई। यह शिविर प्रातः शिवोम शान्ति चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र 5 सिविल लाइन सागर के परिसर में किया गया। इस अवसर पर पटकुई, पथरिया जाट, सीहोरा, रजाखेड़ी, मकरोनिया, बहेरिया, सेमरा, नरयावली, नरवानी, लिधौरा, तिली एवं विभिन्न अंचलों के लोग शामिल हुए। इस शिविर में वीरेंद्र गोस्वामी, अंकित, सत्येश शुक्ला, दीपक मिश्रा, अर्पित देसाई, सोनू साहू, अजय द्विवेदी, यशवंत कुमार, नीलेश जैन, राजेंद्र रावत, राजू श्रीवास्तव का सहयोग रहा। आगामी 144वा शिविर का आयोजन 30 अगस्त को शिवोम शांति चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र 5 सिविल लाइन सागर परिसर में आयोजन किया जायेगा।

खबर संक्षेप

भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस का धरना 26 को

विदिशा। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 26 जुलाई को दोपहर 12 बजे माधवगंज चौराहे पर धरना दिया जाएगा। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, अघोषित बिजली कटौती, जबरन स्मार्ट मीटर, महंगाई, खराब सड़कों और सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के विरोध में यह धरना किया जा हरा है। जनहित के इन मुद्दों को लेकर पार्टी सरकार को घेरने की तैयारी में है। दोपहर 3 बजे जिला समन्वय समिति की बैठक होगी। जिसमें पूर्व विधायक, सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्ष व कांग्रेस संगठन के विभिन्न विंग्स के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आदर्श तिवारी को मिला राह-वीर पुरस्कार

विदिशा। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद कर उनकी जान बचाने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र सरकार की राह-वीर योजना के अंतर्गत आदर्श तिवारी को 25 हजार की पुरस्कार राशि व प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। 8 जून 2025 की रात दुर्गा नगर स्थित एसबीआई एटीएम के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने महिला फूल बाई सेन को टक्कर मार दी थी। हादसे में वाहन सवार तीन अन्य लोग भी घायल हुए। मौके पर मौजूद आदर्श तिवारी ने सभी घायलों को तत्काल अपने निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जिला मूल्यांकन समिति की अनुशंसा पर यह सम्मान प्रदान किया गया।

एसएस जाटव को जिला शिक्षाधिकारी का प्रभार

विदिशा। लोक शिक्षण संचालनालय ने लश्करपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एसएस जाटव को जिला शिक्षाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। 13 जून को पूर्व प्रभारी डीईओ आरके ठाकुर के भोपाल तबादले के बाद यह पद खाली था। पिछले 39 दिनों से संयुक्त कलेक्टर शशि मिश्रा शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही थीं।

भाजपाइयों ने मनाई चंद्रशेखर आजाद जयंती

विदिशा। भाजपा दुर्गा नगर मंडल द्वारा वीर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई। मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिर्जापुर बायपास स्थित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का गंगाजल व दूध से अभिषेक कर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया। चौहान ने आजाद जी के बलिदान को नमन करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

200 घन मीटर प्रति सेकंड आ रहा पानी, 180 घन मीटर प्रति सेकंड छोड़ा जा रहा

लगातार बारिश से बांध सुजारा में हुई पानी की आवक तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में जबरदस्त मानसून होने से भीषण बारिश का दौर जारी है। जबरदस्त बारिश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुजारा बांध में उफ़नती नदियों से 200 घन मीटर प्रति सेकंड पानी की आवक हो रही। और बाँध की सुरक्षा को देखते हुए 180 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा। जिले में अब मानसून पूरी तरह एक्टिव हो गया है। पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। इस दौरान करीब 10.3 मिमी आधा इंच से भी कम बारिश दर्ज की गई है। अब तक जिले में कुल 38.6 इंच औसत बारिश हो चुकी है, जो कि पिछले साल के मुकाबले 25 इंच ज्यादा है। पिछले साल इस समय तक सिर्फ 12.9 इंच बारिश हुई थी।

जिले की 3 तहसीलों में औसत से अधिक हुई बारिश

जिले की विभिन्न तहसीलों में बारिश का आंकड़ा देखा जाये तो पलेरा में सर्वाधिक 53.5 इंच, टीकमगढ़ में 49.2 इंच, मोहनगढ़ में 44.5 इंच, खरगापुर में 37.5 इंच, बल्देवगढ़ में 36 इंच, लिधौरा में 34 इंच, जतारा में 33.2 इंच और बड़ागांव में 26 इंच बारिश दर्ज की गई है। जिले की तीन तहसीलों में औसत से अधिक बारिश हो चुकी है।

बान सुजारा बांध में पानी की आवक तेज

बान सुजारा बांध के तीन गेट 0.5 मीटर तक खोले गए हैं। बांध में वर्तमान जल स्तर 313.30 मीटर है, जबकि पूर्ण भराव स्तर 316.50 मीटर है। बांध में नदी से लगभग 200 घन मीटर प्रति सेकंड पानी की आवक है। गेटों से 180 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है। जिससे बाँध का भराव भी होता रहे और एकसाथ पानी को छोड़ने की स्थिति भी न बने।

बालक के स्वस्थ होने की रिपोर्ट भेजी बाल कल्याण समिति

कलयुगी मां द्वारा तालाब में फेंका गया बालक पहुंचा शिशु गृह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

महेंद्र सागर तालाब में बिगत 28 जून के दिन जिस बच्चे को उसकी कलयुगी मां के द्वारा फेंक दिया गया था। उस बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी शिशु रोग विशेषज्ञ से ली गईं। जिन्होने बालक के पूर्ण स्वस्थ होने की रिपोर्ट बाल कल्याण समिति के पास भेज दी है। कलयुगी माँ के द्वारा तालाब में बच्चे को फेंकता देख लल्लन रैकवार ने तुरंत तालाब में छलांग लगाकर बच्चे की जान बचाई थी और अस्पताल पहुंचाया था, तत्पश्चात बाल कल्याण समिति टीकमगढ़ द्वारा अस्पताल जाकर उस बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी शिशु रोग विशेषज्ञ से ली गई। बालक के पूर्ण स्वस्थ होने की रिपोर्ट अस्पताल द्वारा बाल कल्याण समिति के पास भेजी गई। समिति ने अपने संज्ञान में लेते हुए आज बच्चे को डॉक्टर भदौरिया एवं डॉक्टर वैभव जैन की उपस्थिति में शिशु ग्रह रूसिया धर्मात न्यास को सौंप दिया। आगामी कार्यवाही होने तक बालक को बाल कल्याण समिति के निर्देश के अनुसार शिशु ग्रह रूसिया धर्मार्थ न्यास में संरक्षण एवं देखभाल के लिए रखा गया है। उक्त समिति बालक के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसके माता-पिता से संपर्क करने का भी प्रयास कर रही है। बालक की सुपुर्दगी के समय बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनुपमा नायक एवं प्रीति चतुर्वेदी तथा बाल कल्याण समिति सदस्य सुभाष, अनिल कुमार पुष्पकार और शिशु गृह प्रबंध उपस्थित रहा।

माहौल खराब करने के आरोप में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

आपत्तिजनक पोस्ट करने पर दो लोगों पर हुई एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी देने और समाज को भड़काने के आरोप में जिले के दिगौड़ा थाना पुलिस द्वारा दो लोगों के बिरुद्ध कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज किया है। दिगौड़ा थाना प्रभारी संदीप सोनी ने बताया कि सैराई गांव निवासी धर्मेंद्र प्रताप रघुनाथ सिंह बुंदेला ने दिगौड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि जिला पंचायत सदस्य हृदेश कुशवाहा ने मेरे भाई गजेंद्र सिंह ठाकुर को जान से मारने की नीयत से अखिलेश कुशवाहा सहित तीन-चार लोगों को मेरे घर भेजा था। इसके अलावा जिला पंचायत सदस्य हृदेश कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर कुशवाहा समाज के लोगों को भड़काकर गजेंद्र सिंह को जान से मारने पर इनाम देने की भी घोषणा की थी। धर्मेंद्र ने इस संबंध में वीडियो भी पुलिस को सौंपा है। धर्मेंद्र ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि जिला पंचायत सदस्य हृदेश कुशवाहा ने मेरे भाई गजेन्द्र सिंह के साथ मारपीट करने के लिए मेरे गांव में लड़के भेजे। जिसका वीडियो भी सामने आया है। दिगौड़ा पुलिस द्वारा आरोपी अखिलेश कुशवाहा और एक अन्य के खिलाफ धारा 296,115(2), 351(3), 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके पहले बुधवार को राजपूत करणी सेना और अमर शहीद युवा संगठन के लोगों ने भी जिला पंचायत सदस्य हृदेश कुशवाहा के खिलाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने हृदेश कुशवाहा पर कुशवाहा समाज के लोगों को ठाकुर समाज के खिलाफ भड़काने के आरोप लगाए थे। धर्मेंद्र बुंदेला ने बताया कि 19 जुलाई की रात करीब 8 बजे अखिलेश कुशवाहा निवासी दिगौडा अपने साथ कुशवाहा समाज के 3-4 लोग लेकर मेरे गांव पहुंचे थे। मेरे भाई गजेन्द्र सिंह को घर से बुलाया और गालियां दीं। गजेंद्र ने ज़ब गाली देने से मना किया तो अखिलेश और दो लोग मेरे भाई के साथ मारपीट करने लगे। गजेंद्र के चिल्लाने पर मोहल्ले के लोग दौडे। लोगों को आते देख मारपीट करने बाले लोग भाग गए थे। उक्त मामले में दिगौड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

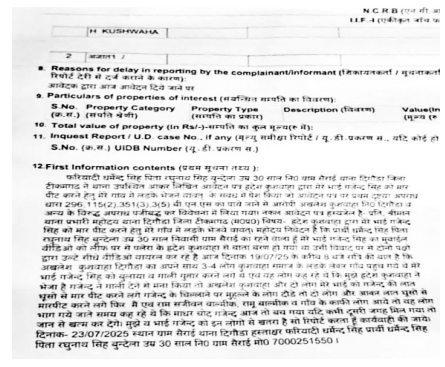

N.C.R.B (एन.सी.आ...
I.I.F.-1 (एकीकृत जाँच फ...

H KUSHWAHA

2 अज्ञात1 /

8. Reasons for delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):
आवेदक द्वारा आज आवेदन दिये जाने पर

9. Particulars of properties of interest (संबंधित सम्पत्ति का विवरण):
S.No. (क्र.सं.) Property Category (सम्पत्ति श्रेणी) Property Type (सम्पत्ति का प्रकार) Description (विवरण) Value(In... (मूल्य (रु...

10. Total value of property (In Rs/-)-सम्पत्ति का कुल मूल्य(रु में):

11. Inquest Report / U.D. case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी. प्रकरण स., यदि कोई हो
S.No. (क.स.) UIDB Number (यू.डी. प्रकरण स.)

12. First Information contents (प्रथम सूचना तथ्य):
फरियादी धर्मेन्द सिंह पिता रघुनाथ सिंह बुन्देला उम्र 30 साल नि0 ग्राम सैराई थाना दिगौडा जिला टीकमगढ ने थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र हदेश कुशवाहा द्वारा मेरे भाई गजेन्द सिंह को मार पीट करने हेतु मेरे गाव मे लड़के भेजने बावत् के संबंध मे पेश किया जो आवेदन पत्र पर प्रथम दृष्टया अपराध धारा 296,115(2),351(3),3(5) बी.एन.एस का पाये जाने से आरोपी अखलेश कुशवाहा नि0 दिगौडा व अन्य के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। नकल आवेदन पत्र हस्तलेख है- प्रति, श्रीमान थाना प्रभारी महोदय थाना दिगौडा जिला टीकमगढ (म0प्र0) विषय- हदेश कुशवाहा द्वारा मेरे भाई गजेन्द सिंह को मार पीट करने हेतु मेरे गाँव मे लड़के भेजने बावत्। महोदय निवेदन है कि प्रार्थी धर्मेन्द सिंह पिता रघुनाथ सिंह बुन्देला उम्र 30 साल निवासी ग्राम सैराई का रहने वाला हूँ मेरे भाई गजेन्द सिंह का मुबाईल वीडिओ को लीक पर से पलेरा के हदेश कुशवाहा से बाता बरण हो गया था उसी विवाद पर से दोनो पक्षो द्वारा उल्टे सीधे वीडिओ वायरल कर रहे है आज दिनांक 19/07/25 के करीब 8 बजे रात्रि की बात है कि अखलेश कुशवाहा दिगौडा का अपने साथ 3-4 लोग कुशवाहा समाज के लड़के लेकर गाँव पहुच गये वे मेरे भाई गजेन्द सिंह को बुलाया व गाली गुप्तार करने लगे वे एव वह लोग कह रहे थे कि मुझे हदेश कुशवाहा ने भेजा है गजेन्द ने गाली देने से मना किया तो अखलेश कुशवाहा और दो लोग मेरे भाई को गजेन्द की लात घूसो से मार पीट करने लगे गजेन्द के चिल्लाने पर मुहल्ले के लोग दौडे तो दो लोग और आकर लात घूसो से मारपीट करने लगे फिर मै एव राम सजीवन बाल्मीक, रामू बाल्मीक व गाँव के काफी लोग आये तो वह लोग भाग गये जाते समय कह रहे थे कि मादर चोद गजेन्द आज तो बच गया यदि कभी दूसरी जगह मिल गया तो जान से खत्म कर देगे। मुझे व भाई गजेन्द को इन लोगो से खतरा है सो रिपोर्ट करता हूँ कार्यवाही की जाये।
दिनाक- 23/07/2025 स्थान ग्राम सैराई थाना दिगौडा हस्ताक्षर फरियादी धर्मेन्द सिंह प्रार्थी धर्मेन्द सिंह पिता रघुनाथ सिंह बुन्देला उम्र 30 साल नि0 ग्राम सैराई मो0 7000251550 ।

वन रक्षक दीपेश ने बमुश्किल सांप को पकड़कर वन क्षेत्र में छोड़ा

विद्यालय में निकले ब्लैक कोबरा ने फैलाई दहशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

बारिश का मौसम होने पर जमीन के नीचे और विलो में रहने बाले जीव जंतु बाहर बिचरण करने लगते हैं। इसी तारतम्य में एक खतरनाक व बेहद जहरीला ब्लैक कोबरा सांप एक बिद्यालय में पहुंच गया। जिसे भारत में नाग भी कहते हैं। साँप को अपने बीच देखकर छात्रों व विद्यालय के शिक्षकों व स्टॉफ में हड़कंप मच गया। तभी इसकी सूचना वन विभाग को दी गईं। तब वनरक्षक ने विद्यालय में पहुंचकर बड़ी मुश्किल से सांप पर काबू पाया। शहर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 के नवीन भवन में 24 जुलाई की सुबह यमराज रूपी बेहद जहरीले सांप ब्लैक कोबरा के मिलने की सूचना मिली। जिस पर विद्यालय के प्राचार्य एनडी अहिरवार ने तत्काल इसकी वन विभाग को सूचना दी। जिस पर वन विभाग ने तत्काल वन रक्षक दीपेश प्रजापति को विद्यालय भेजा। वन रक्षक दीपेश ने ज़ब साँप को देखा तो वह खतरनाक ब्लैक कोबरा साँप निकला जो खतरनाक होने के साथ साथ बेहद फुर्तीला और आक्रामक भी होता है। वनरक्षक दीपेश ने बड़ी मुश्किल से कोबरा साँप पर काबू पाया और उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। साँप के पकड़े जाने पर विद्यालय परिवार की ओर से वन रक्षक दीपेश प्रजापति एवं वन विभाग का धन्यबाद एवं आभार व्यक्त किया गया। इसके बाद दीपेश ने विद्यालय के शिक्षकों द्वारा पूंछे जाने पर सांप के बारे में उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि यह सांप ब्लैक कोबरा भारत का दूसरे नंबर का सबसे खतरनाक व जहरीला साँप होता है जिसे भारत में नाग भी कहते हैं। वन रक्षक दीपेश ने बताया कि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में आमतौर पर पाया जाने वाला काला कोबरा एक बेहद ज़हरीला साँप है जो अपने विशिष्ट फन और ख़तरनाक मुद्रा के लिए जाना जाता है। हालाँकि यह माम्बा से थोड़ा कम आक्रामक होता है, फिर भी यह एक शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिक दंश देता है जो बिना इलाज के जानलेवा हो सकता है। ब्लैक कोबरा का ज़हर बहुत ज़्यादा साइटोटॉक्सिक होता है, जिससे तेज़ दर्द, सूजन और ऊतकों को नुकसान पहुंचता है। हालांकि इस साँप के बहुत कम काटने के मामले दर्ज किए गए हैं। क्योंकि यह साँप बहुत कम देखने को मिलता है। इसका जहर आँखों में जाने पर बहुत दर्द होता है और अगर इसे साफ़ नहीं किया गया तो स्थायी नुकसान हो सकता है। विद्यालय से ब्लैक कोबरा साँप को पकड़कर वन रक्षक दीपेश प्रजापति द्वारा उसे सकुशल वनक्षेत्र में छोड़ दिया गया।

क्रांति ने अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर किया नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

कड़ी मेहनत व लगन से हुई महिला क्रिकेट टीम में शामिल

जहां चाह और जज्बा हो वहां बड़े से बड़ा लक्ष्य भी आसान बन जाता है। यही बात सत्य साबित करते हुए जिले की बेटी क्रांति गौड़ द्वारा देश की महिला क्रिकेट टीम में शामिल होकर देश की ओर से खेलने पर जिले में खुशी का माहौल है। पवन घुवारा भूमि पुत्र ने बताया कि देश को गोरव दिलाने बाली बेटी क्रांति गौड़ ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में कड़ी मेहनत और लगन से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है। गौरतलब है कि क्रांति गौड़ ने अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार गेंदबाजी करके इंग्लैंड मे 6 विकेट लेकर सभी का दिल जीत लिया । क्रांतिगौड़ के शानदार प्रदर्शन से जिला सहित मध्य प्रदेश के लोग खुश हैं। क्रांति ने इसी साल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्स के लिए खेलते हुए अपनी रफ्तार और सटीकता से सभी को प्रभावित किया।

पवन घुवारा ने कहा कि बुंदेलखंड का गौरव क्रांति की सफलता सभी बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। बुंदेलखंड की भूमि ही ऐसी है। जहां लोह पुरुष स्व. कपूरचंद घुवारा का जन्म हुआ। जिन्होंने अपने संघर्ष से घुवारा नगर निमार्ण में एक छोटे कस्बे को अलग ही पहचान दिलाई। यहां जन्मे वीर पुरूष और वीरांगना ने हमेशा देश दुनियां में अपना परचम लहराया है। वहीं क्रांति गौड़ की सफलता से टीकमगढ़ में भी खुशी का माहौल है खेल प्रेमी और समाजसेवी उनके इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बता रहे हैं। विगत समय अमर शहीद महिला लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट टीकमगढ़ मे जहां मुख्य अतिथि के रूप मे नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मालिक ने क्रांति गौड़ को शुभकामनाएं देकर कहा था कि एक दिन बेटी आप अवश्य ही देश का नाम रोशन करेंगी। वहीं संयोजक विनय प्रताप सिंह ने सम्मानित किया था । और आज वही बेटी क्रांति पुरे विश्व मे नाम रोशन कर रही है। पवन घुवारा भूमिपुत्र ने कहा कि उनके पैतृक गृह नगर की बेटी हम सभी के लिए गर्व का पल है। पूरे मध्य प्रदेश में खुशी का माहौल है। घुवारा नगर की बेटी ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पूरे देश का मान बढ़ाया है। साथ ही जिले व प्रदेश की बेटियों के लिए एक प्रेरणाश्रोत बनकर सामने आई है। जिससे जिले की अन्य बेटियों को भी आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी।

केंद्रीय विद्यालय में वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पर्यावरण संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यकः एसपी

टीकमगढ़। पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा केंद्रीय विद्यालय बड़ौरा घाट में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन की उपस्थिति में सामूहिक रूप से पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने बच्चों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एक नशामुक्ति अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें एसपी मंडलोई ने छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करें। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस पहल की सराहना की गई और भविष्य में भी इस प्रकार के जनजागरूकता अभियान नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही गई। इस अवसर पर ट्रैफिक प्रभारी कैलाश पटेल, थाना प्रभारी देहात चंद्रजीत यादव, सूबेदार उत्तम सिंह, उप निरीक्षक मयंक नगाइच, वीणा आदि रहे मौजूद।

एसपी के निर्देश के बाद एक्टिव हुई पुलिस

दुष्कर्म में सहयोग करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में कुडीला पुलिस ने दुष्कर्म मे सहयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मण्डलोई के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह एवं एसडीओपी राहुल कटरे के दिशा मार्गदर्शन में थाना कुडीला के धारा 137(2), 64(1), 64(2) (डी) इठर 5/6,17 पॉक्सो एक्ट मे फरार आरोपी सीताराम निवासी प्रतापपुर को प्रतापपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जो आरोपी का जेल वारंट बनने पर जिला जेल दाखिल किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में बृजेन्द्र सिंह घोषी थाना प्रभारी कुडीला, असलम खांन, ताहिर खांन, गिरजेश लोधी, चन्द्रकान्त उपाध्याय, वेदप्रकाश शर्मा, सुनील कुमार, योगेन्द्र, अशोक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऐतिहासिक बड़े पुल का कछुआ गति से हो रहा मरम्मत कार्य, जनता ने सौंपा ज्ञापन

10 कदम की दूरी करनी पड़ रही आधा किमी चलकर पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

नगर के राजशाही ऐतिहासिक बड़े पुल की दीवार ढह जाने के 15 दिन बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य कछुआ गति से किये जाने की बजह से लोगो को 10 कदम की दूरी को आधा किलोमीटर चलकर पूरी करनी पड़ रही है। क्यूंकि पुराने नगर को नये नगर से जोड़ने बाला राजशाही ऐतिहासिक बड़ा पुल की दीवार भीषण बारिश के चलते ढह गईं। जिसका मलवा बींच सड़क पर गिरने की बजह से रास्ता जाम हो गया। अब पुल के एक ओर से दूसरी ओर जाने के लिए लोगो को घूमकर जाना पड़ रहा है। राजशाही दौर में पुराने नगर को नई बसाहट नगर से जोड़ने के लिए बड़े पुल का निर्माण कराया गया था। पुराने नगर को आज पुरानी टेहरी नाम से जाना जाता है। जिसे शहर के पपौरा चौराहा सहित अन्य शहरी भाग से जोड़ने के लिए बड़े पुल को बनबाया गया था। जिसके नीचे से आवागमन करके लोग आसानी से शहर के पुराने नगर से नये नगर में आवागमन कर सकते हैं। हालांकि यह ऐतिहासिक पुल देखरेख के अभाव में जर्जर हो चुका है। साथ ही संबंधित बिभाग द्वारा इसे डेड भी घोषित किया जा चुका है। इसी बीच 15 दिन पूर्व भीषण बारिश के चलते उक्त प्राचीन पुल की दीवार गिर गई। उक्त घटना के करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुल के नीचे से आवागमन शुरू नहीं ही सका। पुल की दीवार गिरने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से पुल के दोनों तरफ मिट्टी के ढेर लगा दिए थे। और फिर पुल की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया लेकिन यह कार्य कछुआ चाल से होने की बजह से रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों ने बताया कि पुल की मरम्मत का कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। कभी एक घंटे तो कभी दो घंटे काम होता है। या फिर दो-चार दिन तक कोई काम नहीं होता। पुल को लेकर एक जेसीबी और एक डंपर से काम चल रहा है, जो अपर्याप्त है। पुल के दोनों तरफ स्कूल होने के कारण बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन बंद होने से छोटे दुकानदारों और टैक्सी चालकों की आजीविका प्रभावित हुई है। जेसीबी से बिजली के पोल की सपोर्ट स्टिक टूट गई है। खंभा सड़क की तरफ झुक गया है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। इस समस्या के शीघ्र समाधान के लिए मोहल्ले के लोगों ने गुरुवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पुल के मरम्मत कार्य में तेजी लाने, मिट्टी के ढेर हटाने और छोटे वाहनों का आवागमन शीघ्र शुरू कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मिट्टी के ढेर से गंदगी फैल रही है और मच्छरों की समस्या बढ़ रही है। साथ ही लोगो को लंबा रास्ता तय करके पुल के दूसरी ओर जाना पड़ रहा है।

प्रदेश में 1576 लाभार्थियों ने रुपए लेकर नहीं बनाए मकान, श्योपुर में 302 डिफॉल्टर

पीएम आवास योजना में प्रदेश का सबसे लापरवाह जिला बना श्योपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जिन परिवारों के पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के घर बनाने के लिए अनुदान 2.50 लाख रुपए शहरी क्षेत्र में ओर 1.50 लाख रुपए ग्रामीण क्षेत्र में दिलाकर बेघर परिवारों को अपने घर का सपना दिलाने में भले ही श्योपुर अन्य जिलों के मुकाबले फिसड्डी दिखाई दे लेकिन रुपए लेकर मकान नहीं बनाने वाले लापरवाह लोगों की सूची में पूरे प्रदेश में नंबर वन जिला श्योपुर बना हुआ है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार प्रदेश भर में 1576 लाभार्थी ऐसे हैं जिन्होंने अपने बैंक खाते में आवास बनाने के लिए राशि तो डल वाली है लेकिन मकान नहीं बना रहे हैं।

ऐसे लापरवाह लाभार्थियों की सूची में सबसे अधिक लापरवाह लाभार्थी श्योपुर जिले के हैं, बताया गया है कि श्योपुर जिले में 302 लाभार्थी ऐसे हैं जिन्होंने अपने बैंक खाते में आवास बनाने के लिए राशि तो डलवाई है लेकिन मकान नहीं बना रहे हैं। ऐसे लापरवाह लाभार्थियों को तलाशने उन्हें नोटिस देने का काम स्थानीय प्रशासन करें या न करें लेकिन भारत सरकार के माध्यम से प्रदेश के आला अधिकारी जरूर जिले के अधिकारियों को इस मामले में अच्छी डांट लगा रहे हैं।

एक और तो सैकड़ो हितग्राही ऐसे हैं जो अधिकारियों पर आवास पीएम आवास योजना के तहत आवेदन स्वीकृत नहीं करने अथवा जांच के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप लग रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस योजना में जो खुद को जरूरतमंद बात कर योजना का लाभ लेने के लिए न सिर्फ पात्रता की मोहर लगवा चुके हैं बल्कि पहली किस्त के रूप में अपने बैंक अकाउंट में एक-एक लाख रुपया डलवा कर गायब भी हो गए हैं। प्रदेश की बात करें तो, यहां पीएम आवास योजना के तहत 1576 लाभार्थी ऐसे हैं जिनके बैंक खाते में सरकार पहली किस्त के रूप में एक एक लाख रुपए डाल चुकी है श्योपुर जिले में ऐसे लाभार्थियों की संख्या 302 है इन लाभार्थियों से काम पूर्ण कराने या उनके खातों में डाली गई राशि वसूलने के लिए शासन द्वारा लगातार अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है लेकिन अधिकतर लाभार्थी ऐसे हैं कि बताए गए पतों पर मिल ही नहीं रहे हैं। प्रश्न यही उठता है कि जब इन हितग्राहियों को आवास नहीं बनाना था तो फिर इन्होंने पैसा क्यों लिया अगर यह हितग्राही फर्जी थे तो फिर इन्हें जांच के नाम पर पात्र किसने किया। लोगों का कहना है कि इस मामले में अच्छे से जांच होगी तो कई राज पास हो सकते है।

श्योपुर में सबसे अधिक लापरवाह लाभार्थी

जुलाई माह में की गई समीक्षा में श्योपुर जिले में सबसे अधिक 302 आवास लाभार्थी ऐसे हैं जो अपने अपने बैंक अकाउंट में आवास की पहली किस्त डलवा चुके हैं। श्योपुर के बाद छिंदवाड़ा जिले का नंबर है जहां 152 लाभार्थी अलीराजपुर 130, बुरहानपुर 90, सीधी 81, बालाघाट 76, रीवा 69, सिंगरौली 49), धार (40), और छतरपुर (38) शामिल हैं। वहीं, अनूपपुर, हरदा, नीमच, निवाड़ी, सागर और शिवपुरी जैसे जिलों ने 2016-22 के बीच सभी स्वीकृत आवास पूरे किए, जो शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का उदाहरण है।

नपा में 850 लाभार्थी लापरवाह, 42 डिफॉल्ट घोषित

नगर पालिका परिषद श्योपुर की बात करें तो शहरी क्षेत्र में 850 लाभार्थी ऐसे हैं जो पीएम आवास योजना के तहत न सिर्फ आवास स्वीकृत करा चुके हैं बल्कि अपने बैंक खातों में राशि डलवाने के बाद मकान नहीं बना रहे हैं। हालांकि इनमें से 808 लाभार्थी ऐसे हैं जो मकान पूर्ण नहीं कर रहे हैं, लेकिन 42 हितग्राही ऐसे हैं जो पहली किस्त डाल कर गायब हो गए हैं। इन हितग्राहियों को नगर पालिका डिफाल्टर घोषित कर चुकी है जिनसे वसूली होना बाकी है। तहसीलदार के माध्यम से उक्त लोगों से उनके आवास जमीन जायदाद को कुर्क कर वसूली की जाएगी।

इनका कहना है

पीएम आवास योजना के जिन लाभार्थियों के भवन अधूरे हैं उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। 42 लाभार्थी डिफाल्टर घोषित किए हैं जिनसे वसूली का काम राजस्व विभाग द्वारा अभियान चलाकर किया जाएगा।

आरआर यादव
सीएमओ श्योपुर

सोंईकलां के सरस्वती शिशु मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

मानव जीवन पूर्ण रूप से स्वस्थ तभी होगा,जब कदम-कदम पर पौधे लगेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मानव जीवन पूर्ण रूप से स्वस्थ तभी होगा जब कदम-कदम पर पौधे लगेंगे। पौधरोपण जीवन के लिए बेहद जरूरी है। हमें मुफ्त में आक्सीजन पेड़-पौधे ही देते हैं। बढ़ती जनसंख्या और घटते पेड़-पौधे मानव जीवन के अस्तित्व पर सवा खड़ा कर रहे हैं। पर्यावरण संतुलन से ही मानव सुरक्षित व खुशहाल रहेगा। मानव का यह नैतिक धर्म होना चाहिए कि पर्यावरण को संतुलित बनाने के लिए न सिर्फ अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना होगा,बल्कि लगाए गए पौधों की वृक्ष बनने तक देखभाल भी करनी होगी।

यह बात गुरूवार को सोंईकलां के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कही। हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में आयोजित इस पौध रोपण कार्यक्रम में अतिथि के रूप में ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला श्योपुर कोषाध्यक्ष मुन्नालाल गुप्ता, विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद के प्रांतीय सदस्य एवं ग्राम भारती जिला समिति के सह सचिव सुधाकर पचौरी, समिति सदस्य लक्ष्मी नारायण शर्मा, जिला प्रमुख सोबरन सिंह तोमर उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों ने विद्यालय प्रधानाचार्य बहादुर सिंह सहित विद्यालय परिवार और भैया बहनों के साथ विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। साथही रोपे गए पौधों की देखभाल करने संबंधी जिम्मेदारी भी विद्यालय के भैया बहनों को सौंपी गई।

रविवार को झंडा चढ़ाने के साथ होगा पैदल यात्रा का समापन

कल श्योपुर से रवाना होगी श्री क्षेत्रपाल बाबा की पैदल यात्रा,सभी तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जन-जन की आस्था के केन्द्र ग्राम जैनी स्थित श्री क्षेत्रपाल बाबा के दर्शनों के लिए एक पैदल यात्रा 26 जुलाई शनिवार को यहां श्योपुर से गाजेबाजे के साथ रवाना होगी। क्षेत्र की खुशहाली की कामना के लिए चामुंडा माता समिति श्योपुर की अगुवाई में यह 15 वीं पैदल यात्रा है। पैदल यात्रा का रात्रि विश्राम जिंद बाबा की बाबड़ी पर होगा। यात्रा का समापन 27 जुलाई को श्री क्षेत्रपाल बाबा के दरबार में झंडा चढ़ाकर होगा। पैदल यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई है।

चामुंडा माता समिति वार्ड 10 श्योपुर द्वारा बताया गया है कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री क्षेत्रपाल बाबा की पैदल यात्रा 26 जुलाई शनिवार को सुबह 9 बजे टोड़ी बाजार स्थित श्री गणेश मंदिर से विधिवज पूजा अर्चना के साथ शुरू होगी। पैदल यात्रा में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होगे, जो नाचते-गाते और जयकार लगाते हुए जाएंगे।

सोंईकलां में होगा दोपहर का भोजन, बावड़ी पर होगा रात्रि विश्राम

यह पैदल यात्रा सलापुरा,रायपुरा होते हुए सोंईकलां पहुंचेगी,जहां सभी पैदल यात्री दोपहर का भोजन करेगे। भोजन की व्यवस्था श्री क्षेत्रपाल बाबा पैदल यात्रा समिति सोंईकलां के अध्यक्ष छोटूलाल सुमन की तरफ से की जाएगी। भोजन के बाद यह पैदल यात्रा बगडुआ, भोगिका तिराहा, जावदेश्वर होते हुए यह पैदल यात्रा जिंद बाबा की बाबडी पर पहुंचेगी। जहां यात्रा में शामिल यात्रियों का रात्रि विश्राम होगा। यहां रात्रि जागरण भी होगा। रात्रि विश्राम के बाद पैदल यात्री 27 जुलाई रविवार सुबह यहां से रवाना होगे और ग्राम जैनी स्थित श्री क्षेत्रपाल बाबा के दरबार में पहुंचेगे। जहां पैदल यात्री विधिवत पूजा अर्चना के साथ झंडा चढ़ाकर यात्रा का समापन करेगे और बाबा से क्षेत्र की खुशहाली की कामना करेगे।

प्राकृतिक आपदा पीड़ितों तक तत्काल पहुंचाई जाए राहतः शुक्ला

प्रभारी मंत्री बाढ़ राहत के संबंध में तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने का काम किया जाए इस मामले में नियम कायदों को पेचीदा नहीं बल्कि आसान बनाया जाए साथ ही बाढ़ राहत दल को इस तरह तैयार किया जाए कि सूचना मिलने के तत्काल बाद संबंधितों तक राहत पहुंचाई जा सके। यह निर्देश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने गुरुवार को वीसी के माध्यम से बाढ राहत एवं आपदा प्रबंधन की बैठक में बाढ राहत के संबंध में तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए।

प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि वर्तमान में श्योपुर जिले में स्थिति सामान्य है, लेकिन सर्तकता के रूप में प्रतिदिन होने वाली बारिश की मात्रा का आंकलन किया जायें एवं जिले की प्रमुख नदियों के जलस्तर पर निगरानी रखी जायें। उन्होने कहा कि कोटा बैराज से चंबल में पानी छोडने की स्थिति में पूर्व सूचना प्राप्त की जायें और नदी के किनारे ग्रामों में सर्तकता और निगरानी बढाई जायें। उन्होने निर्देश दिये कि वर्षाकाल के दौरान आकाशीय बिजली गिरने एवं सर्पदंश सहित पानी की डूबने से होने वाली दुर्घटनाओं में मृत्यु पर पीडित परिवार को तत्काल शासन निर्देशानुसार आर्थिक सहायता स्वीकृत की जायें। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने प्रभारी मंत्री को बताया कि श्योपुर जिले में बाढ प्रभावित गांवो के रूप में 60 गांव चिन्हित किये गये है, जिन पर पटवारियों एवं पंचायत सचिवों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। श्योपुर जिले में वर्तमान में सामान्य स्थिति है एवं कही भी बाढ अथवा जलभराव की स्थिति नही है। उन्होने बताया कि बाढ एवं आपदा से निपटने के लिए विजयपुर सहित चिन्हित स्थानों पर एसडीआरएफ की टीमों को डिप्लॉय किया गया है। पुल-पुलियाओं एवं रपटो पर भी निगरानी रखी जा रही है तथा अधिक पानी होने की स्थिति में आवागमन बंद कराने की कार्यवाही तत्समय की जाती है। उन्होने जानकारी दी कि आवदा डैम की मरम्मत का प्रस्ताव जल संसाधन विभाग द्वारा भेज दिया गया है।

सलापुरा का मिटेगा सालों पुराना बिजली संकट

प्रभारी मंत्री ने विद्युत विभाग की समीक्षा भी की जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि सलापुरा सब स्टेशन शुरू कर दिया गया है, इससे सलापुरा की बिजली समस्या मिट जाएगी। इसी प्रकार पच्चीपुरा, हिरनीखेडा एवं खैरघटा के सब स्टेशन भी शुरू हो गये है। मेखडाहेडी में निर्माणाधीन विद्युत सब स्टेशन का कार्य 7 दिन में पूर्ण कर लिया जायेगा।

फांसी की सजा मामले में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मी

श्योपुर। श्योपुर न्यायालय द्वारा मां की हत्या कर उसके शव को बाथरूम में दफन कर देने वाले दोषी बेटे को बुधवार को फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन ने गुरूवार को उप निरीक्षक कमलेन्द्र सिंह, सुरेश सिंह धाकड सहित कोतवाली थाने के उन पुलिसकर्मियों को अपने ऑफिस में बुलाकर सम्मानित किया, जिन्होने इस मामले की पुलिस की विवेचना की कार्रवाई के दौरान अपनी अहम भूमिका निभाई है। वहीं विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र जाधव एड को भी सम्मानित किया। इस मौके पर एसडीओपी श्योपुर राजीव कुमार गुप्ता, कोतवाली टीआई दिनेश सिंह राजपूत भी मौजूद थे।

पांडोला जेई को किया निलंबित मालवीय को सौंपा प्रभार

श्योपुर। पांडोला स्थित बिजली सब स्टेशन पर पदस्थ जेई संजय शाक्य को निलंबित कर दिया गया है। बिजली कंपनी के महाप्रबंधक आरके सक्सैना के द्वारा यह कार्रवाई पांडोला क्षेत्र में 16 कृषि पंपो का संचालन अवैध रूप से पाए जाने के चलते की गई है। दरअसल महाप्रबंधक को इस तरह की शिकायत मिली कि पांडोला क्षेत्र में अवैध बिजली कनेक्शन के जरिए कई कृषि पंप संचालित हो रहे है। बताया गया है कि जब महाप्रबंधक के द्वारा इस मामले की अपने स्तर से जांच कराई गई तो पांडोला क्षेत्र में 16 कृषि पंप बिना बिजली कनेक्शन के अवैध रूप से संचालित होते पाए गए। महाप्रबंधक आरके सक्सैना ने बताया कि इस मामले में पांडोला जेई को निलंबित करते हुए उनकी जगह लखन मालवीय को पांडोला का प्रभार सौंपा गया है।

चौड़ाई बढ़ने के बाद शहर में 15 मीटर चौड़ी हो जाएगी सीसी रोड

शहर में बढ़ेगी सीसी रोड की चौड़ाई जेल के सामने से शुरू हुआ काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

नेशनल हाइवे 552 के निर्माण कार्य के तहत इन दिनों शहर में बनाई गई सीसी रोड की चौडाई अब दोनो तरफ ढाई ढाई मीटर बढेगी। इस संबंध में शासन से मंजूरी मिलने के बाद नेशनल हाइवे का निर्माण कर रही कंपनी के द्वारा शहर के शिवपुरी रोड स्थित जेल के सामने से सीसी रोड की चौडाई बढाए जाने के काम की शुरूआत भी कर दी गई है। चौडाई बढने के बाद शहर में बने सीसी रोड की चौडाई 15 मीटर हो जाएगी। इससे शहर के शिवपुरी रोड और पाली रोड पर वाहनों के निकलने में लोगो को खासी सहूलियत होगी।

यहां बताना होगा कि इन दिनों पाली पुल से लेकर गोरस तक नेशनल हाइवे का निर्माण कार्य जारी बना हुआ है। इसके तहत शहर श्योपुर के अंदर पाली रोड और शिवपुरी रोड पर इस हाईवे निर्माण कार्य के दौरान सीसी रोड और दोनो तरफ पानी निकासी के लिए नाला निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में शहर के अंदर सीसी रोड का निर्माण कंपलीट हो गया है। इसी बीच शहर के अंदर बने सीसी रोड की चौडाई बढाए जाने का प्रस्ताव कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन में एनएच के अधिकारियों के द्वारा बनाकर स्वीकृति के लिए भेजा गया। सीसी रोड की चौडाई दोनो तरफ ढाई ढाई मीटर बढाए जाने के प्रस्ताव पर शासन की ओर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में एनएच के उप यंत्री विजय अवस्थी ने बताया कि शासन की स्वीकृति के बाद सीसी रोड की दोनों ओर 2.50 मीटर की चौड़ाई में सीसी बनाने के काम की शुरूआत गुरूवार से जेल के गेट से शहर की ओर प्रारम्भ कर दी गई है। अगर मौसम ने साथ दिया तो, साइड में खुदाई करके सबग्रेड का कॉपक्शन का कार्य, बेबी रोलर से किया जा रहा है उसके बाद बेस बनने के उपरांत सीसी का कार्य किया जाएगा, लेकिन बारिश का दौर बना रहेगा तो यह काम डिले करना पडेगा।

कॉलेज से नहर और बस स्टैंड से रामतलाई हनुमान मंदिर तक होगा डामरीकरण

शहर में सीसी रोड की चौडाई दोनो तरफ ढाई ढाई मीटर बढाई जाएगी। एनएन के अधिकारियों की माने तो यदि इसके बाद भी कहीं पर सीसी रोड और नाले के बीच में जगह रह जाएगी,वहां पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे। इसके साथही सलापुरा नहर से पीजी कॉलेज तक तथा बस स्टैंड से श्री रामतलाई हनुमान तक सीसी रोड की जगह डामरीकरण किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह काम भी बारिश का दौर थमने के बाद ही शुरू किया जाएगा।

ब्याज छूट व अन्य सुविधाओं से वंचित होगे डिफाल्टर किसान

63.82 करोड़ रुपए की लोन राशि जमा नहीं कराने वाले 9445 किसान हो गए डिफाल्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

जिला सहकारी बैंक से खरीफ व रबी सीजन के दौरान ऋण लेने वाले जिले के 9 हजार 445 किसान डिफाल्टर हो गए हैं। कारण यह है कि इन किसानों के द्वारा 63 करोड 82 लाख रूपए की लोन राशि तय समय सीमा में जमा नहीं कराई गई है। इसलिए सहकारी बैंक के द्वारा जिले के लोन की राशि जमा नहीं करने वाले 9445 किसानों को डिफाल्टर घोषित कर दिया गया है। जिसके चलते अब ये किसान बैंक की जीरो प्रतिशत ब्याज दर वाली योजना व खाद बीज आदि की सुविधा से वंचित हो गए है।

जिले में 47 सहकारी समितियों के माध्यम से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में 42 हजार से अधिक किसान पंजीकृत हैं। बताया गया है कि बीते वित्तीय वर्ष में बैंक ने 31 हजार 453 किसानों को खरीफ और रबि फसल के लिए 98 करोड़ रुपए का लोन दिया था। इसमें से करीब 22 हजार किसानों के द्वारा अपनी लोन की राशि निर्धारित समय सीमा के भीतर बैंक में जमा करवा दी। जिन किसानों के द्वारा तय समय सीमा में अपनी लोन की राशि जमा करवाई गई है,उसके लिए सहकारी समितियों की ओर से भी प्रयास किए गए थे।

30 जून थी लोन जमा कराने की अंतिम तिथि

सहकारी समितियों के माध्यम से जिन किसानों के द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से खरीफ और रबि फसल के लिए लोन लिया गया था,उन किसानों को अपनी लोन राशि वापस बैंक में जमा किए जाने के लिए 30 जून अंतिम तारीख निर्धारित की गई थी। जिसकी जानकारी सहकारी समितियों के माध्यम से सभी बकायदार किसानों को प्रदान कर दी गई है। लेकिन इस मामले में कई किसानों ने लापरवाही का परिचय देते हुए 30 जून तक भी लोन की राशि जमा नहीं कराई। इसलिए जिले के 9445 किसानों को बैंक के द्वारा डिफाल्टर घोषित कर दिया गया है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं बिक्री से वसूले 4.86 करोड़

जिला सहकारी बैंक के द्वारा समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय करने वाले किसानों से भी लोन की राशि वसूली गई है। बताया गया है कि जिले के जिन किसानों के द्वारा समर्थन मूल्य पर अपनी गेंहू की फसल बेची गई थी,उनमें से पूर्व किसानों का खाता लिंकिंग कर 1 हजार 05 किसानों से ऋण राशि के अंतर्गत 4 करोड 86 लाख रूपए की वसूली की गई है।

इन योजनाओं पर मिलता है ऋण

कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की योजना के अनुसार किसानों को ऋण मुहैया कराया जाता है। इस योजना के तहत किसानों को अल्पकालीन फसल ऋण दिया जाता है। किसानों को ऋण देने के लिए सरकार और बैंक कई तरह की योजनाएं चलाते है। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री कृषि ऋण योजना, केंद्रीय ब्याज अनुदान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं शामिल हैं।

इनका कहना है

रबी व खरीफ की फसल के दौरान लिए गए अल्पकालीन ऋण की राशि निर्धारित तिथि के बाद जमा नहीं कराने से किसान डिफाल्टर हो गए हैं। इसके चलते वे सहकारी बैंक की ब्याज छूट व खाद-बीज की सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। वे बकाया राशि समिति में जमा कराकर फिर से सुविधाओं का लाभ ले सकते है।

दिनेश गुप्ता
नोडल अधिकारी जिला सहकारी बैंक श्योपुर

नाला निर्माण में बाधा बन रही गुमठियां हटेंगी प्रभावित दुकानदारों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर में पुराने बस स्टैंड से जय स्तंभ चौक के बीच लगी करीब दो दर्जन गुमटियो में लगी दुकाने एनएच हाइवे निर्माण के तहत बन रहे नाले के निर्माण में बांधा बन रही है। इसलिए गुमटियों को हटाए जाने के लिए एनएच के अधिकारियों ने प्रशासन के अधिकारियों को बता दिया गया है। इधर प्रभावित होने वाले दुकानदारों ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर अर्पित वर्मा के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। पार्षद खालिद फारूकी की अगुवाई में ज्ञापन देने वाले दुकानदारों ने कलेक्टर अर्पित वर्मा को बताया कि वह 50 सालों से उक्त स्थान पर अपनी दुकान स्थाई रूप से लगाकर रोजी-रोटी कमाते चले आ रहे हैं। इन दुकानों का किराया वह नगर पालिका को हर माह अदा कर रहे हैं उक्त जमीन पीडब्ल्यूडी विभाग की है जिस पर दुकान लगाने के लिए बाकायदा उन्हें अधिकृत किया हुआ है। दुकानदारों ने कहा कि पटेल चौक से जय स्तंभ तक रोड कहीं चौड़ा और कहीं सकरा है जहां जैसी जरूरत हो रही है वैसा ही बनाया जाए, अन्य जगह भी इसी तरह रोड बनाया जा रहा है। शिवपुरी रोड कलेक्ट्रेट के पास से रोड अधिक चौड़ा लिया गया है और जैन होटल के पास से रोड की चौड़ाई 5 से 7 फीट तक कम कर दी गई है ताकि वहां बने मकानों को नुकसान न पहुंचे। दुकानदारों ने कहा जिस तरह अन्य स्थानों पर जरूरत अनुसार रोड की चौड़ाई घटाई बढ़ाई जा रही है उसी आधार पर स्तंभ पुरानी पुलिस लाइन तक रोड की चौड़ाई जरूरत अनुसार रखी जाए ताकि दुकानदारों को बेरोजगारी का सामना न करना पड़े। दुकानदारों ने कलेक्टर को बताया कि अगर यह दुकान हटाई गई तो कई परिवार भूखे मर जाएंगे उनके पास इन दुकानों के अलावा दूसरा आय का कोई जरिया नहीं है।

30 घंटे में 6 इंच बारिश, नदी नाले उफने

कई गांव का शहर से संपर्क कटा, घरों में भरा पानी नौगांव के पास नाले में उतराता हुआ मिला युवक शव गढ़ा, देहरी, भानगढ़, खिमलासा मार्ग बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

विगत 30 घंटे में करीब 6 इंच बारिश होने के कारण नदी नाले उफन गए। शहर में मोतीचूर नदी में बाढ़ जैसे हालात बने। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कई घरों में बारिश का पानी भर जाने के समाचार मिले है। शहर के 9 परिवार को सुरक्षित स्थानों पर रखा गया है। शहर से लगे ग्राम नौगांव के पास से निकले नाले में एक युवक का शव मिला है। जिसे शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल में रखा गया है। जानकारी अनुसार बुधवार सुबह 7 बजे से लेकर गुरूवार सुबह 7 तक 80.6 एमएम बारिश दर्ज की गई है। वहीं गुरूवार सुबह 7 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक 82 एमएम बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। यानि इन 30 घंटो में करीब 6 इंच से अधिक बारिश हुई है। लगातार एवं तेज बारिश होने के कारण शहर से निकली मोती चूर नदी में बाढ़ जैसे हालात नजर आए तो ग्रामीण क्षेत्र का नदी नालों में उफान आने के कारण शहर से संपर्क कट गया।

मोतीचूर नदी में बाढ़ जैसे हालात- नदी में अधिक पानी आ जाने के कारण बड़ा मंदिर से लेकर नई बस्ती तक पानी-पानी ही नजर आया। मोतीचूर नदी के पानी से देहरी रोड निवासी 5 परिवार के घरों में बारिश का पानी भर गया। इन परिवारों को कटरा मंदिर एवं नई बस्ती निवासी 4 परिवारों को कच्चा रोड स्थित नाभि नंदन दिगंबर जैन स्कूल में रखा गया और उनके रहने एवं भोजन की व्यवस्था नगर पालिका के द्वारा की गई। शहर में बारिश का पानी नई बस्ती के अलावा मढिया वार्ड, खिरिया वार्ड, कटरा वार्ड, चंद्रशेखर वार्ड, प्रताप वार्ड, गांधी तिराहा, गांधी वार्ड खिमलासा रोड स्थित अंडर ब्रिज एवं सागर गेट स्थित अंडरब्रिज में भर जाने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। बारिश अधिक होने के कारण विधायक निर्मला सप्रे, नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार, उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैंया, मनोज शर्मा, पार्षद भारती राय, एसडीएम विजय डहेरिया, तहसीलदार अंबर पंथी, एसडीओपी, थाना प्रभारी अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्र में दौरा किया। कटरा मंदिर के पास मोतीचूर नदी उफान पर होने के कारण देहरी मार्ग बंद हो गया। जिस पर से शाम करीब 6 बजे आवागमन शुरू हुआ। इसी तरह भानगढ़ के पास परासरी नदी पर अधिक पानी होने के कारण भानगढ़ का रास्ता बंद हो गया। गढ़ा, पडरिया मार्ग पर मोतीचूर नदी उफान पर आने के कारण यह मार्ग कई घंटो बंद रहा। ग्राम बसाहरी के पास नाला चढ़ जाने के कारण खिमलासा रास्ता बंद हो गया। रास्ता बंद होने के कारण नदी नालों के दोनों तरह वाहनों की लंबी लंबी कतार से लोग परेशान हुए। वहीं कुछ लोगों ने दूसरे रास्तों से यात्रा की तो कुछ जान जोखिम में डाल कर भी निकले। सुबह कटरा मंदिर के पास स्कूली बच्चों से भरी एक बस को करीब 1 फीट से अधिक पानी से निकाला गया।

आगासौद में भरा पानी

इसके अलावा ग्राम आगासौद में मेनसी एवं चकराझोरी में बाढ़ आ जाने से ग्राम के कई घरों में पानी भर जाने से खाने पाने का सामान खराब हो गया। जानकारी अनुसार चकराझोरा से कल्लू पाल, बड्डे पटेल एवं मेनसी से लालाराम पटेल, गणेश राम, मलखान पटेल, कीरत सेन के मकानों में पानी भरकर गृहस्थी का सामान खराब हो गया।

उतराता मिला शव शिनाख्त नहीं हुई

वहीं नौगांव के पास से निकले नाले में एक बारिश के पानी में बहता हुआ लोगों को शव दिखाई दिया। जिसकी सूचना लोगों ने छोटी बजरिया पुलिस चौकी को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया और शिनाख्त एवं मर्ग कायमी के लिए शव को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। शाम 7 बजे तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

एक मिनट तक हुई स्पार्किंग

बारिश के दौरान इटावा स्थित हनुमान के पास एक बिजली के खंभे की केविल में स्पार्किंग हुई शुरू हुई। बाद में केवल टूट कर बिजली के पोल से टकरा गई और इस तरह करीब 1 मिनट तक लगातार स्पार्किंग होती रही और एक बड़ा हादसा टल गया।

अमोलपठा पुलिस चौकी क्षेत्र के बरूआनाला गांववासी पहुंचे कलेक्ट्रेट

1 दर्जन से ज्यादा महिला आदिवासी की गुहार, दबंग कर रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दिनारा

वन भूमि अतिक्रमण, सरकारी दावों में विरोधाभास, आदिवासियों के अधिकारों पर संकट

मध्यप्रदेश में वन भूमि अतिक्रमण को लेकर सरकारी आंकड़ों और दावों में गंभीर विरोधाभास सामने आया है। एनजीटी में प्रस्तुत हलफनामे में जहां 5ण्46 लाख हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण की बात मानी गई हैए वहीं वन विभाग की रिपोर्ट पुराने आंकड़ों पर ही अटकी हैं। इस विरोधाभास ने वन अधिकार कानून के तहत आदिवासियों को मिलने वाले अधिकारों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़ी संख्या में दावे खारिज हुए हैं और ष्वन मित्र पोर्टलष जैसी व्यवस्था भी उनके लिए उलझन बन गई है। मध्यप्रदेश में वन भूमि अतिक्रमण और वन अधिकारों को लेकर सरकारी आंकड़ों और दावों में भारी विरोधाभास सामने आ रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ;एनजीटीद्ध के आदेश के बाद राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में यह स्वीकार किया गया है कि प्रदेश में करीब 5ण्46 लाख हेक्टेयर वन भूमि पर लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। यह आंकड़ा अनेक सवाल खड़े करता हैए खासकर जब इसे वन विभाग की वार्षिक रिपोर्ट और वन अधिकार कानून के क्रियान्वयन की स्थिति से जोड़ा जाए।

सरकारी रिपोर्टों में विरोधाभास

वन विभाग के वार्षिक प्रशासकीय प्रतिवेदन 2020.21 के अनुसारए 1980 से 1990 के बीच 1ण्19 लाख हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया था। इसके बाद 1991 से 2020 तक किसी भी प्रकार का नया अतिक्रमण नहीं बताया गया है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि 2020 से 2025 के बीच अचानक 3ण्97 लाख हेक्टेयर भूमि पर कैसे अतिक्रमण हो गया। इसी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 1980 से 2020 के बीच कुल 2ण्84 लाख हेक्टेयर वन भूमि का विकास परियोजनाओं के लिए व्यपवर्तन ;डाइवर्जनद्ध किया गया। इसमें सिंचाई परियोजनाओं के लिए सबसे अधिक 83ए842 हेक्टेयरए खननए रक्षा व अन्य परियोजनाओं के लिए शेष भूमि दी गई।

विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमोलपठा के पास ग्राम बरुआनाला मैं बीते कई वर्षों से 40 से ज्यादा आदिवासी परिवार वन विभाग की भूमि में रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं एवं बीते कई महीनो से अमोल सहित क्षेत्र के अन्य ग्रामों के कई रसूखदार और दबग व्यक्तियों के द्वारा अब आदिवासियों को डरा धमकाया जा रहा है और यह दबंग लोग सैकड़ो हेक्टर भूमि में कब जाकर खेती भी कर रहे हैं जो शासन के नियम विरोध है एवं आए दिन आदिवासियों को डरा धमका रहे हैं कि आप यहां से कहीं और चले जाओ आदिवासियों ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन कुछ दबंग यहां आकर गाली गलौज करते हैं और मां बहन की गाली भी देते किसी से तंग होकर आदिवासी एक दर्जन से अधिक महिलाएं मंगलवार को शिवपुरी कलेक्ट पहुंची जहां पर उन्होंने एक लिखित आवेदन दिया जिसमें उन्होंने दबंग के ऊपर कार्यवाही करने की मांग की है एवं वित्त रोज वहां पर संबंधित विभाग के अधिकारी भी आदिवासियों के डेरे पर पहुंचे थे जहां पर उन्होंने सभी आदिवासियों को समझाते हुए कहा कि आप रह रहे हो तो आराम से रहो और आपकी जवाबदारी है कि इस फॉरेस्ट की जमीन में किसी को आने नहीं देना यदि कोई जबरदस्ती से कब्जा करता है तो हम लोगों को सूचित करें हम कार्यवाही करेंगे एवं सभी दबंग लोगों को उन्होंने समझाया इस दी थी कि समय रहते अवैध कब्जा छोड़ दो तो ठीक बात है नहीं सभी के ऊपर कठोर कार्यवाही की जाएगी और साथ ही समझाएं दी गई थी कि आदिवासियों को कोई भी दबंग किसी भी तरीके से परेशान नहीं करेगा वन विभाग और आदिवासियों की सरकार संबंधित कुछ जानकारी इस प्रकार है।

ऐतिहासिक अन्याय और वन अधिकार कानून वर्ष 2004 में गोदावर्मन केस के दौरान केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में माना था कि वन भूमि की चकबंदी के दौरान आदिवासियों के पारंपरिक अधिकारों का निपटारा नहीं किया गयाए जिससे वे ष्अवैध कब्जेदारष माने गए। इस ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए वन अधिकार कानून 2006 लाया गयाए जो अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वनवासियों को उनके पारंपरिक अधिकार लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

दावों की भारी अस्वीकृति मध्यप्रदेश में जनवरी 2025 तक वन अधिकार कानून के अंतर्गत 5ए85ए326 व्यक्तिगत दावे दायर किए गएए जिनमें से 3ए18ए425 दावे खारिज कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने 13 फरवरी 2019 को बताया था कि अकेले मध्यप्रदेश में 3ए54ए787 व्यक्तिगत दावे खारिज हुए हैं। बाद में राज्यस्तरीय समिति ने स्वीकार किया कि दावों को खारिज करने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ और उनके पुनरीक्षण का निर्णय लिया गया।

राज्य सरकार द्वारा वन अधिकारों की पारदर्शिता के लिए शुरू किया गया ष्वन मित्र पोर्टलष आदिवासी समुदाय के लिए असुविधा का कारण बन गया है।

---

29 को होगा विधानसभा में जवाब प्रस्तुत

विधायक ने करैरा एसडीएम शर्मा को हटाने का मुद्दा विधानसभा में उठाया

करैरा। करैरा विधानसभा के विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने विधानसभा में करैरा अनुविभाग के एसडीएम अजय शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायतों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभागए जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं देखते हैं, से जवाब मांगा है कि एसडीएम के खिलाफ उनके द्वारा किए गए पत्राचार पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। विधायक ने पूछा कि क्या उनके द्वारा स्थानीय लोगों की शिकायतों के आधार पर मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्रक पत्र क्रमांक 278 दिनांक 17ध्-7-2024, पत्र क्रमांक 428, पत्र क्रमांक 449 18 दिसबंर 2024 और पत्र क्रमांक 732 दिनांक 15 मई 2024 के माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायतें दर्ज की गई हैं। इसके अलावा, उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री द्वारा 23 अगस्त 2024 को सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव कार्मिक को, श्रेणी के तहत लिखे गए पत्र के बावजूद, एसडीएम अजय शर्मा का स्थानांतरण आदेश अब तक क्यों जारी नहीं हुआ। साथ हीए उन्होंने पूछा कि यह स्थानांतरण कब तक होगा। इस मुद्दे ने करैरा क्षेत्र में असंतोष को जन्म दिया हैए क्योंकि स्थानीय लोग लंबे समय से एसडीएम की कार्यशैली से परेशान हैं। यह मामला 29 जुलाई को विधानसभा में चर्चा के लिए प्रस्तुत होगा, जिससे प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

एसडीएम अजय शर्मा के खिलाफ पूर्व के गहराए विवाद और जनता का असंतोष

एसडीएम अजय शर्मा का नाम करैरा में पहले भी कई विवादों से जुड़ा रहा है, जिसके चलते उनके खिलाफ सैकड़ों आरोप-प्रत्यारोप लग चुके हैं। स्थानीय लोगों ने उन पर भ्रष्टाचार, पक्षपात और प्रशासनिक लापरवाही जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। करैरा बार एसोसिएशन ने भी कलेक्टर शिवपुरी, रविंद्र चौधरी, को ज्ञापन सौंपकर एसडीएम की कार्यशैली की शिकायत की थी। इसके अतिरिक्त, जनता ने उनके खिलाफ धरने और प्रदर्शन किए, जिसमें भूमि विवादों में पक्षपात, अवैध वसूली, और जनता की समस्याओं के प्रति उदासीनता जैसे मुद्दे उठाए गए। इन शिकायतों के बावजूदए प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि एसडीएम की कार्यशैली के कारण क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैंए और उनकी समस्याएं अनसुलझी रह रही हैं। यह स्थिति जिला प्रशासन और सामान्य प्रशासन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठा रही है। करैरा की जनता का मानना है कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहाए जिससे क्षेत्र में असंतोष और आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्रशासनिक निष्क्रियता और विधानसभा में जवाब का इंतजार

एसडीएम अजय शर्मा के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई में देरी ने प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े किए हैं। 29 जुलाई को विधानसभा में इस मामले पर सामान्य प्रशासन विभाग से जवाब की उम्मीद हैए और सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या सरकार और प्रशासन कोई ठोस कदम उठाएंगे। शिवपुरी के कलेक्टर रविंद्र चौधरी पर भी दबाव है कि वे इस मामले में त्वरित कार्रवाई करें। यह मामला न केवल करैरा की जनता की समस्याओं को उजागर करता हैए बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की कमी को भी सामने लाता है। यदि इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं हुईए तो जनता के बीच असंतोष और बढ़ सकता है। यह स्थिति न केवल जिला प्रशासन के लिए, बल्कि सामान्य प्रशासन विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। अब यह देखना बाकी है कि क्या प्रशासन समयबद्ध रूप से कार्रवाई करेगा, या यह मुद्दा केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाएगा। यह मामला प्रशासनिक व्यवस्था की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही की परीक्षा है।

शराब दुकानों के संचालन में हाइवे से 240 मीटर दूरी के नियम भी नहीं

आबकारी विभाग की मिलीभगत से एमआरपी रेट से अधिक दाम वसूली

पिछोर में आदेश हवा, शराब दुकानों का संचालन जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

शिवपुरी जिले के पिछोर अनुभाग में शराब की दुकानों के अवैध संचालन और नियम विरूद्ध एमआरपी से अधिक दामों पर विक्रय करने की खबर खासा चर्चा का विषय बनी हुई है। किंतु उक्त अवैध कारनामें आबकारी विभाग तक नहीं पहुंच पा रहेए यह बडे हैरत का विषय है। या यूं कहें की आबकारी विभाग के संरक्षण में पिछोर के शराब ठेकेदार आबकारी नियमों की धज्जियां उडाते हुए आमजनों का भरपूर शोषण कर रहे हैं। यही नहीं न्यायालय के नियमों के पालन में भी शराब ठेकेदार कोई गंभीरता नहीं बरत रहे हैं और इन नियमों का पालन कराने में आबकारी विभाग भी असफल साबित हो रहा है। जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा में आबकारी ठेकेदार मनमाने तरीके से शराब दुकानों का संचालन कर रहे हैं। बहुत सी शराब दुकानें तो ऐसी हैंए जो हाइवे से 240 मीटर दूर स्थापित न होते हुए हाइवे किनारे ही अस्थाई रूप से संचालित हो रही हैं और धडल्ले से यहीं से शराब बेची जा रही है। जो उच्चतम न्यायालय के नियमों का खुला उलंघन है। आबकारी विभाग का निरीक्षण भी यहां पर संदेह के घेरे में है। आखिरकार हाइवे किनारे स्थापित शराब दुकानों को आबकारी विभाग के अधिकारी क्यों नहीं हटवा पा रहे हैं। पिछोर तहसील में शराब ठेकेदारों द्वारा शासन के नियमों का उलंघन करते हुए एमआरपी रेट से ज्यादा दामों पर शराब का विक्रय किया जा रहा है। जिससे आमजन आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं और अमानक स्तर की कच्ची व अवैध शराब का उपयोग करने हेतु बाध्य बने हुए हैं। जिससे आमजनों के स्वास्थ्य पर भी विपरित प्रभाव पडना तय है। पिछोर अनुभाग क्षेत्र के ग्राम कछउआए नया चौराहाए रेडी चौराहा पर भी हालात दयनीय बने हुए हैं। जहां शराब का गोदाम बनाकर शराब ठेकेदारों ने एमआरपी से अधिक दामों पर भी शराब की बिक्री चालू कर दी हैए जो पूर्णतरू नियम विरूद्ध है। दुकानों से बेची जाने वाली शराब का भुगतान नियमनूसार फर्म के अकाउंट में क्यूआरकोड के माध्यम से लिया जाना चाहिए। किंतु पिछोर की शराब दुकानों पर निजी खातों में ही शराब बिक्री की राशि का भुगतान कराया जा रहा है। इस तरह पिछोर अनुभाग में शराब ठेकेदार द्वारा जो शराब की दुकानों का संचालन किया जा रहा है वो न्यायालय सहित आबकारी नियमों का भी खुला उलंघन है। आबकारी विभाग के अफसरों को उक्त शराब ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कर नियमनूसार शराब दुकानों का संचालन करने हेतु निर्देश देना चाहिए। अन्यथा शराब ठेकेदारों का लाईसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जानी चाहिए।

चंद्रशेखर आजाद की मशहूर पिस्तौल बमतुल बुखारा और शिवपुरी का खनियाधाना

खनियाधाना में अज्ञातवास बिताया था आजाद ने

हरिभूमि न्यूज ⏭ दिनारा

शिवपुरी जिले का खनियाधाना स्वातंत्र्य समर का जीता जागता दस्तावेज है न केवल खनियाधाना का राजपरिवार बल्कि यहाँ की आम जनता ने भी अंग्रेजों से दो दो हाथ किए थे यहां तक कि जब अंग्रेजों ने तत्कालीन महाराजा खलक सिंह को उनकी विद्रोही गतिविधियों के चलते सत्ताच्युत कर दिया और प्रभुदयाल श्रीवास्तव को रेजीडेंट नियुक्त कर दिया तो छप्पन गांव के किसानों ने अपनी छप्पन इंची छाती का परिचय देते हुए, फसल उगाना ही बंद कर दियाे लगातार दो वर्ष तक उनका यह अनूठा सत्याग्रह चला नतीजतन फिरंगियों को झुकना पड़ा और महाराज खलकसिंह के अधिकार बहाल हुए। तो बात इन्हीं खलकसिंह जी की है खलकसिंह जी के पास कई कारें थीं फोर्ड, बेबी हडसन और रोल्स रायस आदि आदि इनमें से रोल्स रायस सर्विसिंग के लिए बुंदेलखंड गैराज के मालिक अलाउद्दीन के पास भेजी गई कार जब ठीक हो गई और महाराज उसे लेकर झांसी से खनियाधाना रवाना हुए, तो अलाउद्दीन ने एक मेकेनिक साथ भेजा, ताकि रास्ते में अगर गाड़ी खराब हो जाए तो राजा साहब को कोई तकलीफ न हो बबीना के पास महाराज खलकसिंह ने लघुशंका के लिए कार रुकवाई ` किन्तु जब वे एक पेड़ के नजदीक पेशाब करने बैठे, तभी एक काला भुजंग सांप पेड़ की जड़ में से निकल आयाे इसके पूर्व कि वह सांप महाराज को कोई नुकसान पहुंचा पाता, मैकेनिक ने बिना देरी किए तपाक से अपना तमंचा निकाला और सटीक निशाना लगाते हुए सांप को मार गिरायाे उसका अचूक निशाना देखकर खलकसिंह हतप्रभ रह गए।

हैरानी के बीच राजा साहब के मन में मैकेनिक के प्रति संदेह भी हुआे गाड़ी खनियाधाना के पास बसई गांव के रेस्टहाउस पर रुकी राजा साहब मैकेनिक को लेकर एकांत में गए और उन्होंने पूछा, कौन हो तुम? और किस मकसद से मेरे पास आए हो ? राजा साहब ने कहा कि वो बिना किसी संकोच के उन्हें अपनी असलियत बता सकता है और वो इसके बारे में किसी से नहीं कहेंगेे तब मैकेनिक ने उन्हें अपना वास्तविक परिचय दिया। वह शख्स और कोई नहीं, हमारे हरदिल अजीज महानायक चन्द्रशेखर आजाद ही थे, जो काकोरी काण्ड के बाद उन दिनों अंग्रजों की नाक के नीचे झांसी में कार मिस्त्री बनकर भूमिगत थेे बसई कोठी आज भी है, जहाँ खनियाधाना के तत्कालीन महाराज खलकसिंह और आजाद की प्रथम भेंट हुई थी ` उस घटना के बाद तो चन्द्रशेखर आजाद और खनियाधाना का एक अटूट रिश्ता ही बन गया ` खनियाधाना स्टेट के तत्कालीन राजा खलक सिंह जूदेव राष्ट्रभक्त हैं, यह जानकारी संभवतः आजाद को रही होगी और बहुत संभव है कि वे योजना के तहत ही उनके साथ मैकेनिक बनकर झांसी से निकले हों, ताकि राजा साहब से आर्थिक और शस्त्रों के लिए मदद ली जा सकेे जो भी हो, आगे चलकर राजा साहब खलकसिंह, चन्द्रशेखर आजाद के सहयोगी तो बने ही जब जूदेव को आजाद की असलियत का पता चला तो वो उन्हें गोविंद बिहारी मंदिर का पुजारी बनाकर, पंडित हरिशंकर शर्मा का छद्म नाम देकर खनियाधाना ले आएे आजाद 6-7 महीने खनियाधाना के गोविंद बिहारी मंदिर में रुकेे रात को वो मंदिर में रहते और दिन में तीन किलोमीटर दूर सीतापाठा मंदिर की पहाड़ी पर चले जाते और अपने बनाए बमों का परीक्षण करते या मास्टर रुद्रनारायण, सदाशिव मलकापुरकर और भगवानदास माहौर जैसे अपने कई क्रांतिकारी साथियों को बन्दूक चलाने की ट्रेनिंग देतेे उन्हें बम बनाने का जरूरी सामान राजा खलकसिंह उपलब्ध करा देते थेे उनके टेस्ट किए बमों के निशान आज भी सीतापाठा की चट्टानों पर मौजूद हैं।

महाराज खलकसिंह के चित्रकार मम्मा जू ने बनाई थी मूंछ पर ताव देते हुए तस्वीर

आज हम जो अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का मूंछ मरोड़ते हुए फोटो देखते हैं, वह भी महाराज खलकसिंह के चित्रकार मम्मा जू ने ही बनाई थी। आजाद ने पहले तो तस्वीर बनवाने से स्पष्ट इनकार ही किया, लेकिन खलक सिंह जूदेव के आग्रह पर आजाद राजी हुए। इस ऐतिहासिक तस्वीर में आजाद के साथ एक और अहम चीज दिखाई देती है, वह है आजाद की कमर में रौब से लटका उनका ह्यबमतुल बुखाराह्ण, यही कहकर तो पुकारते थे आजाद अपनी पिस्तौल कोे इस पिस्तौल की भी एक कहानी हैं आजाद ने एक दिन राजा खलक सिंह जूदेव से एक अंग्रेजी पिस्तौल का आग्रह किया, खलक सिंह ने अपने प्रिय मित्र की इच्छा का मान रखते हुए राज्य को एक जैसी दो रिवॉल्वर खरीदने का आदेश दियाे उन दिनों ऐसी आधुनिक रिवॉल्वर खरीदने के लिए वायसराय की अनुमति लेनी होती थी और उसे खरीदने का कारण बताना होता थाे राजा खलक सिंह जूदेव के पत्र पर रिवॉल्वर खरीदने की इजाजत मिल गई और एक जैसी गोलियों वाली दो रिवॉल्वर खरीदी गईं राज्य के शस्त्र रिकॉर्ड में आमद दर्ज होने के बाद राजा खलकसिंह ने अपने रोजनामचे में शिकार खेलने जाने की रवानगी डाली और दूसरे दिन लौटकर रोजनामचे में लिखा कि शिकार खेलते समय नदी के ऊपर से उनके घोड़े ने छलांग मारी और इस दौरान रिवॉल्वर कमर से छूटकर नदी में गिर गईं इसके बाद गोताखोरों से बहुत खोज कराई गई, लेकिन रिवॉल्वर नहीं मिली। वहीं रिवॉल्वर गोविंद बिहारी के मंदिर में आजाद को सौंपी गई जूदेव ने एक जैसी दो रिवॉल्वर इसलिए ली थीं, ताकि उसके लिए गोलियां ली जाएं और आजाद को दी जा सकें आजाद नहाकर आए थे तब उन्होंने उस रिवॉल्वर को लिया और अपनी कमर में बांधकर मूछों पर ताव देते हुए अपना फोटू खिंचवाया। आजाद की शहादत के बाद उनकी बंदूक आज प्रयागराज के म्यूजियम में है।